दिनांक: 6·8·91

प्रिय.....

पिछले तीन साल के संघर्ष के बावजूद कई सदस्य मायूस हो चुके हैं, कुछ का तो यह भी कहना है कि नेहरू कला कुंज का सपना ही झूठा था, परन्तु मेरी नज़र में इन पिछले सालों में आपके कार्यकर्ताओं ने सरकार की बढ़ती बेरुखी का बहुत अच्छे ढंग से सामना किया, इसी वजह से आपकी संस्था अब तक जीवित है ।

रजिस्टर्ड समिति होने के नाते अन्य सहकारी समिति की तरह हमें जमीन तो मिलेगी ही, पर हमारा संघर्ष है, कब ! कहां ! और कैसे । जब हमारी मांगे ही इतनी विशेष हैं तो ज़िन्दगी का यह सपना कुछ लोगों के परिश्रम और प्रयत्न से ही पूरा नहीं होता, इसमें आपकी भागीदारी की सख्त ज़रूरत है ।

इस बीच संस्था ने कई और कार्यक्रम भी शुरू किये हैं, हमारी एकजुटता का कारण सिर्फ़ ज़मीन और घर ही नहीं है ।

इन तीन सालों में हमने क्या किया उसकी जानकारी करना आपका हक़ और अधिकार है ।

14 अगस्त को हर वर्ष की तरह आम सभा में आप प्रात: ठीक 9 बजे प्रगति मैदान में ज़रूर पहुंचें, मन्त्री महोदय व अन्य विशिष्ट व्यक्ति 10·45 बजे अपनी जगह गृहण करेंगे ।

नेहरू कला कुंज के विषय में सब बात-चीत सिर्फ़ 10·30 बजे तक ही होंगी ।

शुभकामनाओं के साथ ।

आपका

ह राजीव सेठी ह

नेहरू कला कुंज

14 अगस्त, 1988

आजादी की पूर्व संध्या ।

- स्वर्गीय कमला देवी चटोपाध्याय की सरपरस्ती में हम, दिल्ली के बिखरे और बेघर पारम्परिक कलाकार-बुनकर, लोक कलाकार, दस्तकार और संगीतकारों ने सदियों पुरानी आपसी बिखराव समेटकर, भारत में पहली बार मिलकर गृह निर्माण सहकारी समिति की नींव रखी ।

14 अगस्त, 1989

संघर्ष भरे अस्तित्व की प्रथम वर्षगांठ ।

- संघर्ष बेरूखी का सामना करने का ।
- संघर्ष साथ-साथ काम करने की आदत बनाने का ।
- आपसी समस्याओं को समझने और समझाने का ।
- लाभ-हानि बांट लेने का ।
- एक जुट बने रहने का ।

14 अगस्त, 1990

एक जुटता की दूसरी वर्षगांठ

- एक जुट शोषण से मुक्ति के लिए ।
- बिचौलियों से छुटकारा पाने के लिए ।
- अपने अधिकारों को कायम रखने के लिए ।

14 अगस्त, 1991

साहस भरे अस्तित्व की तीसरी वर्षगांठ

- साहस स्वरोज़गार का ।
- साहस अपना हुनर बनाये रखने का ।

इस वर्ष 14 अगस्त के दिन कला कुंज के सभी सदस्यगण फिर आज़ादी के एक दिन पूर्व नाचेंगे-गायेंगे और अपनी-अपनी कलाओं का प्रदर्शन करेंगे ।

कार्यक्रम का मुख्य विषय होगा **"आज़ादी ! अपना हुनर ! अपना रोज़गार !"**

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत सरकार के पर्यटन मंत्री **माननीय श्री माधव राव सिन्धिया** की उपस्थिति में **श्रद्धेय पं० रवि शंकर जी** झंडा कलाकारों को सौंपेंगे ।

नोट :- 1. **कार्यक्रम प्रगति मैदान के फुलवारी रेस्टोरेन्ट में होगा ।**
2. यह कार्ड साथ में लेते आयें और हर कार्ड के संग तीन लोग आ सकते हैं ।
3. कार्यक्रम में आपकी उपस्थिति अनिवार्य है । क्योंकि इस दिन सभी 600 सदस्य अपने हस्ताक्षर वाले पत्र मंत्री महोदय को देंगे ।

सारथी-नेहरू कला कुंज
फोन· 3315107, 3314065

ENTRY FROM GATE No. 3

कार्यक्रम

9.00 बजे प्रातः सभी सदस्यों को अपना स्थान ग्रहण करना है।

9.00 - 10.30 वार्षिक आम सभा और कार्यक्रम की रिहरसल ।

11.00 बजे मुख्य अतिथि का आगमन, कलाकारों द्वारा स्वागत ।

11.30 बजे राजीव गांधी को श्रृद्धांजलि और कोपरेटिव सहगान ।

11.40 बजे अलग-अलग स्वागत भेंट और तजुर्बों का बयान

11.55 बजे माननीय मन्त्री महोदय नेहरू कला कुंज के बुनकर सदस्यों का बुना झंडा पं० रवि शंकर जी को देंगे, पण्डित जी इसे 4 युवा कलाकारों को सौंप देंगे ।

12.00 बजे राष्ट्रीय गान ।

12.05 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम, सामूहिक गीत, नृत्य नाटक ।

सारथी

फ्लैट नं० 4 - शंकर मार्केट
नई दिल्ली - 1

जरूरतमंद कलाकारों के मददगार